<u>कार्यालय में राजभाषा नियम, अधिनियम एवं राजभाषा नीति का कार्यान्वयन विषय पर दिनांक 29 जून , 2021 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन</u>

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में लिए गए निर्णयानुसार , दिनांक 29 जून, 2021 को बोर्ड के कार्य में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी अधिनियमों, नियमों एवं नीति के अनुपालन हेतु एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में किया गया। कोरोना महामारी को ध्यान में रखते एवं सामाजिक दूरी का पालन करते हुए, इस कार्यशाला में कार्मिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

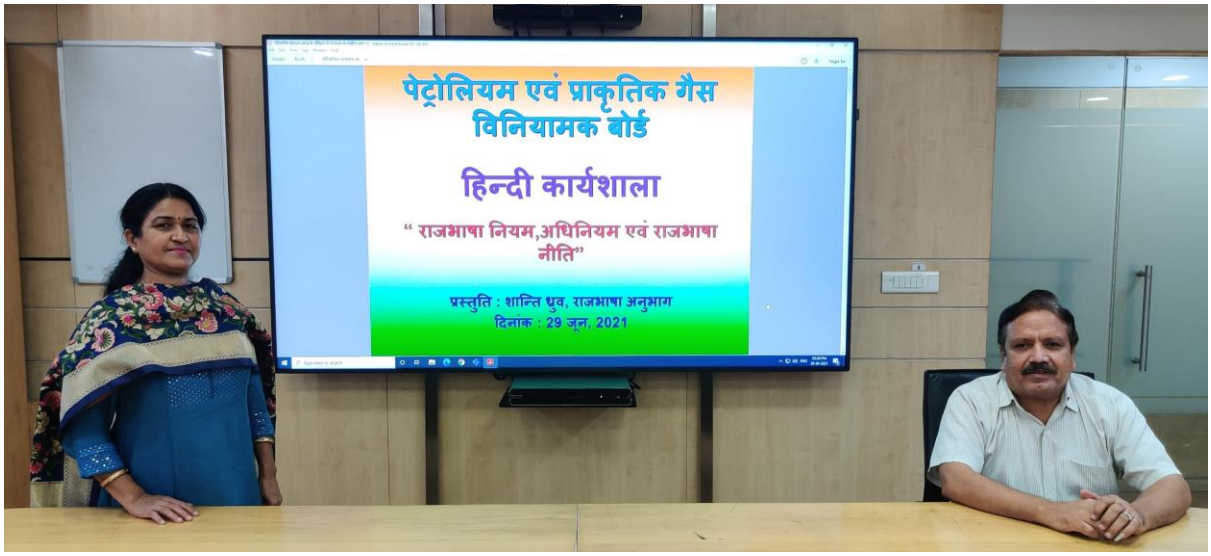

सहायक परामर्शदाता (राजभाषा), श्रीमती शान्ति ध्रुव ने संयुक्त सलाहकार श्री अनिल कुमार गर्ग का हार्दिक अभिन्नदन किया, इसी के साथ सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया । इस कार्यशाला की अध्यक्षता श्री अनिल कुमार गर्ग, संयुक्त सलाहकार (प्रशासन) ने की ।

इस कार्यशाला में उपस्थित सभी कार्मिकों को सहायक परामर्शदाता (राजभाषा) ने अपने संबोधन के आरम्भ में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग की अनिवार्यता पर बल देते हुए बताया कि 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी को संविधान में राजभाषा का दर्जा दिया गया था। संविधान में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा तथ्यों और सर्वेक्षण के आधार पर दिया गया था।

इस कार्यशाला में उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अन्तर्गत आने वाले सभी दस्तावेजों , राजभाषा नियम 1976 के नियम (1 से 12) की जानकारी देने के साथ-साथ राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की जानकारी भी दी इसके अतिरक्त कार्यालय में टिप्पण एवं प्रारुप लेखन में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए सुझाव दिए ।

इसके पश्चात् संयुक्त सलाहकार (प्रशासन) ने अपने संबोधन में सभी उपस्थिति प्रतिभागियों को कहा कि राजभाषा हिन्दी में कार्य करना हम सभी का दायित्व है । हमें अधिक से अधिक टिप्पण एवं प्रारुप लेखन हिन्दी में करना चाहिए

और ई-मेल का अग्रेषण -पत्र भी हिन्दी में ही लिखना आरम्भ करें, इससे हिन्दी के कार्यान्वयन में वृद्धि होगी। हिन्दी का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम तभी सफल होगा जब आप सभी प्रतिभागीगण अपने दैनिक कार्यालयीन गतिविधियों में हिन्दी का प्रयोग बढाएगें।

यह कार्यशाला बहुत ही उपयोगी एवं उदेश्यपूर्ण रही। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई ।